आर्थिक विकास :- एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके द्वारा एक अर्थव्यवस्था की वास्तविक 'प्रति व्यक्ति आय 'दीर्घ अवधि में बढ़ती है ।

CHAPTER-1
DEVELOPMENT

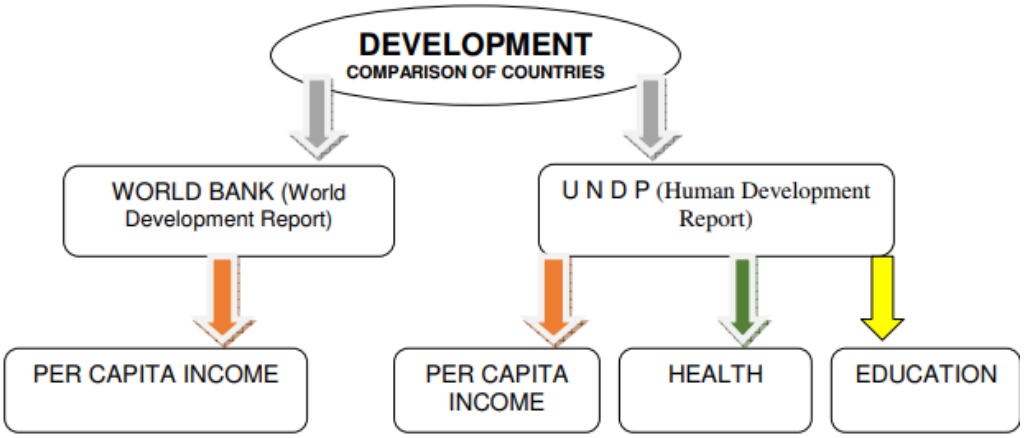

विकास :- विकास के लक्ष्य विभिन्न लोगों के लिये विभिन्न हो सकते हैं। हो सकता है कि कोई बात किसी एक व्यक्ति के लिये विकास हो लेकिन दूसरे के लिये नहीं।

उदाहरण के लिये किसी नये हाइवे का निर्माण कई लोगों के लिये विकास हो सकता है। लेकिन जिस किसान की जमीन उस हाइवे निर्माण के लिये छिन गई हो उसके लिये तो वह विकास कतई नहीं हो सकता।

संयुक्त राष्ट्र संघ ने विश्व के देशों को प्रति व्यक्ति आय एवं राष्ट्रीय आय के आधार पर निम्न दो वर्गों में बांटा है–

विकसित देश - विकसित देश उन्हें कहते हैं, जिन्होंने कृषि, उद्योग, परिवहन एवं व्यापार आदि क्षेत्र में अधिकतम एवं कुशलता में उपयोग कर लिया है। इन देशों में प्राविधिक–तकनीकी एवं वैज्ञानिक ढंग से आर्थिक विकास कर लिया है।

- ✓ वे राष्ट्र जो सम्पन्न नहीं है, परंतु विकास का उच्च स्तर प्राप्त करने के लिए प्रयत्नशील हैं विकासशील देश कहलाते हैं।
- ✓ इन देशों में प्रति व्यक्ति आय अपेक्षाकृत कम होती है। चीन, भारत, मिस्र, ब्राजील, अर्जेंटीना, पाकिस्तान, म्यांमार, इराक, ईरान, बांग्लादेश, इंडोनेशिया, तंजानिया एवं जायरे आदि प्रमुख विकासशील देश हैं।
- ✓ इनमें प्रति व्यक्ति आय भारत में 530, बांग्लादेश में 400, चीन में 1100, पाकिस्तान में 470 तथा दक्षिण–पूर्वी एशियाई देशों में 850 से 1,800 डॉलर के मध्य है।

आय और अन्य लक्ष्य

ज्यादा आय , बराबरी का व्यवहार , स्वतंत्रता , काम की सुरक्षा , सम्मान व आदर , परिवार के लिए सुविधाएँ , वातावरण आदि , राष्ट्रीय विकास की धारणाएँ निम्नलिखित हैं :–

विश्व बैंक की विश्व विकास रिपोर्ट 2006 के अनुसार , " 2004 में प्रतिव्यक्ति आय जिन देशो में 453000 रूपये प्रति वर्ष या उससे अधिक है वह समृद्ध या विकसित राष्ट्र कहलाते है ।जिनकी आय 37000 रूपये प्रति वर्ष या उससे कम है वह विकासशील / निम्न आय वाले देश कहलाते हैं ।

विकास के लक्ष्य :

- ✓ प्रति व्यक्ति आय :- जब देश की कुल आय को उस देश की जनसंख्या से भाग दिया जाता है तो जो राशि मिलती है उसे हम प्रति व्यक्ति आय कहते हैं। वर्ष 2006 की विश्व विकास रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रति व्यक्ति सालाना आय 28,000 रुपये है।

- ✓ सकल राष्ट्रीय उत्पाद :- किसी देश में उत्पादित कुल आय को सकल राष्ट्रीय उत्पाद कहते हैं। सकल राष्ट्रीय उत्पाद में हर प्रकार की आर्थिक क्रिया से होने वाली आय की गणना की जाती है।

- ✓ सकल घरेलू उत्पाद :- किसी देश में उत्पादित कुल आय में से निर्यात से होने वाली आय को घटाने के बाद जो बचता है उसे सकल घरेलू उत्पाद कहते हैं।

- ✓ शिशु मृत्यु दर :- हर 1000 जन्म में एक साल की उम्र से पहले मरने वाले बच्चों की संख्या को शिशु मृत्यु दर कहते हैं। यह आँकड़ा जितना कम होगा वह विकास के दृष्टिकोण से उतना ही बेहतर माना जायेगा। शिशु मृत्यु दर एक महत्वपूर्ण पैमाना है।

- ✓ पुरुष और महिला का अनुपात :- प्रति हजार पुरुषों की तुलना में महिलाओं की संख्या को लिंग अनुपात कहते हैं। यदि यह आँकड़ा कम होता है तो इससे यह पता चलता है कि उस देश या राज्य में महिलाओं के खिलाफ कितना खराब माहौल है। भारत में 2011 की जनगणना के अनुसार प्रति हजार पुरुषों की तुलना में केवल 940 महिलाएँ हैं।

- ✓ जन्म के समय संभावित आयु :- एक औसत वयस्क अधिकतम जितनी उम्र तक जीता है उसे संभावित आयु कहते हैं। सन 2011 की जनगणना के अनुसार भारत में पुरुषों की संभावित आयु 67 साल है और महिलाओं की संभावित आयु 72 साल है। इससे देश में व्याप्त जीवन स्तर का पता चलता है।

- ✓ साक्षरता दर :- 7 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों में साक्षर जनसंख्या का अनुपात को साक्षरता दर कहते हैं ।

- ✓ अनुपात : 6-10 वर्ष की आयु के स्कूल जाने वाले कुछ बच्चों का उस आयु वर्ग के कुल बच्चों के साथ प्रतिशत उपस्थिति अनुपात कहलाता है ।

- ✓ राष्ट्रीय आय :- देश के अंदर उत्पादित सभी वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य तथा विदेशों से प्राप्त आय के जोड को राष्ट्रीय आय कहते है ।

आधारभूत संरचना :- आधारभूत संरचना किसी देश की अर्थव्यवस्था के लिये रीढ़ की हड्डी का काम करती है। सड़कें, रेल, विमान पत्तन, पत्तन और विद्युत उत्पादन किसी भी देश की अर्थव्यवस्था की जान होते हैं।

मानव विकास सूचकांक :- मानव विकास सूचकांक एक सांख्यिकीय सूचकांक है जिसमें जीवन प्रत्याशा, शिक्षा, और आय सूचकांकों को शामिल किया जाता है. मानव विकास सूचकांक में किसी देश के जीवन स्तर को मापा जाता है

.